प्रस्तुत शोध **मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा की कहानियों में स्त्री जीवन: विशेष संदर्भ कहानी संग्रह 'अंतिम चढ़ाई' एवं 'खुदा की वापसी'** विषय पर है। मेहरुन्निसा परवेज़ की कहानियों में समाज के विविध तबकों, धर्म, इत्यादि में स्त्री जीवन का चित्रण है वहीं नासिरा शर्मा की अधिकतर कहानियाँ मुस्लिम परवेश की अवश्य है परंतु वह समाज में सभी स्त्रियों की मुखर अभिव्यक्ति है। जन्म से लेकर अंत तक स्त्री का जीवन संघर्ष में गुजरता है और दोनों ही लेखिकाओं के लेखन में स्त्री का यह संघर्ष प्रमुखता से उभर कर आया है। अपने साहित्य में स्त्री जीवन का यथार्थ चित्रण करती दोनों ही लेखिकाओं ने स्त्री जीवन के विविध पहलुओं को रेखांकित किया है।

मेहरुन्निसा परवेज़ 'अंतिम चढ़ाई' कहानी संग्रह में जहाँ दाम्पत्य जीवन, बिखरते परिवार, संबंध के बिखराव, स्त्री आत्मनिर्भरता विषयों को उठाती हैं तो नासिरा शर्मा 'खुदा की वापसी' कहानी संग्रह के माध्यम से धार्मिक परिवेश में स्त्री की जकड़न, पारिवारिक रिश्ते, परम्पराओं एवं रूढ़िवादी नियमों की जकड़न में स्त्री इत्यादि विषयों को पाठकों के समक्ष रखती हैं। दोनों ही लेखिकाओं की कहानी में मध्यवर्ग, निम्न मध्यवर्ग एवं निम्नवर्ग में स्त्री की समस्याओं एवं स्त्री जीवन का चित्रण हुआ है।

समाज में स्त्री का जीवन एक सपाट राह जैसा नहीं है उसमें कई उतार चढ़ाव है। स्त्री एक साथ कई ज़िंदगियों को न केवल जीती है बल्कि कई स्तर पर स्वयं से भी जूझती है। स्त्री के जीवन का दूसरा नाम ही संघर्ष है अगर यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा। अपने परिवार से लेकर सामाजिक संस्थाओं, मान्यताओं, परंपरा, रीति-रिवाज, धर्म इत्यादि सभी जगह स्त्री का जीवन संघर्ष से गुजरता है । अपने प्रत्येक सम्बन्धों में वह स्वतंत्र इकाई न होकर अन्य से संबन्धित ही रहती है एवं अपनी आकांक्षाओं,

सपनों, अधिकारों से समझौता करती है। साहित्य में स्त्री के इसी संघर्ष, भावनाओं, सम्बन्धों में स्त्री के रूप इत्यादि का चित्रण हुआ है। विशेष तौर पर लेखिकाओं ने स्वानुभूति के धरातल पर आकर स्त्री जीवन को परत-दर-परत अपने साहित्य में उकेरा है। मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा दोनों ही कथाकारों ने स्त्री की समस्याओं के चित्रण में उसके जीवन के अभावों और आवश्यकताओं को मुक्त हृदय से व्यक्त किया है।

नासिरा शर्मा के साहित्य में सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक समस्याओं का अंकन हुआ है। मेहरुन्निसा परवेज़ के साहित्य में राजनीतिक समस्याओं के अलावा सभी समस्याओं का चित्रण हुआ है। इन्होंने सिर्फ समस्याओं का उद्घाटन किया है, बल्कि उनके मूल तक जाने का प्रयास करते हुए कहीं-न-कहीं इन समस्याओं के समाधान ढूँढने का प्रयत्न भी किया है। स्पष्ट, संतुलित एवं व्यवहारिक रुख के साथ दोनों ही लेखिकाओं ने स्त्री की अलग दुनियाँ या पुरुष को खलनायक बनाने के बजाए इस बात पर ज़ोर दिया है कि स्त्री, पुरुष की भाँति ही इंसान है, उसमें भी भावनाएँ है, उसे भी अपने जीवन में आगे जाने का अवसर प्रदान करे।

प्रस्तुत शोध में स्त्री जीवन के विविध पहलुओं के आधार पर तुलनात्मक रूप से मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा की कहानियों पर प्रकाश डाला गया है। प्रस्तुत शोध को चार अध्यायों में विभक्त किया गया है। पहला अध्याय **'मेहरुन्निसा परवेज़ का जीवन परिचय एवं रचना संसार'** में मेहरुन्निसा परवेज़ के जीवन, उनके परिवेश एवं उनकी रचनाओं का परिचय दिया गया है। अध्याय में मेहरुन्निसा परवेज़ के व्यक्तित्व निर्माण में उनके परिवेश, लेखन की प्रेरणा, समकालीन लेखिकाओं

में उपस्थिति, उपलब्धियों एवं कार्यों को रेखांकित किया गया है। अध्याय में मेहरुन्निसा परवेज़ की रचनाओं का संक्षिप्त रूप में परिचय दिया गया है।

शोध के दूसरे अध्याय **'नासिरा शर्मा का जीवन परिचय एवं रचना संसार'** में नासिरा शर्मा के जीवन, उनके परिवेश एवं उनकी रचनाओं का परिचय दिया गया है। अध्याय में नासिरा शर्मा के जीवन, उनके परिवेश, शिक्षा, लेखन की प्रेरणा, समकालीन रचनाकारों में नासिरा शर्मा की उपस्थिति को रेखांकित किया गया है। अध्याय में नासिरा शर्मा की रचनाओं का संक्षिप्त रूप में परिचय दिया गया है साथ ही साहित्य लेखन से इतर समाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश इत्यादि के दृष्टिकोण से लिखे गए लेख एवं अन्य लेखन पर प्रकाश डाला गया है।

शोध के तीसरे अध्याय 'मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा के कहानी संग्रह ‘अंतिम चढ़ाई’ एवं ‘खुदा की वापसी’ में स्त्री जीवन' में स्त्री जीवन के विविध पहलुओं को रेखांकित करते हुए मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा की कहानियों में स्त्री जीवन के विविध पक्ष पर प्रकाश डाला गया है। इस अध्याय में मेहरुन्निसा परवेज़ के कहानी संग्रह 'अंतिम चढ़ाई' एवं नासिरा शर्मा के कहानी संग्रह 'खुदा की वापसी' में प्रस्तुत स्त्री जीवन का विश्लेषण किया गया है। मेहरुन्निसा परवेज़ के कहानी संग्रह 'अंतिम चढ़ाई' एवं नासिरा शर्मा के कहानी संग्रह 'खुदा की वापसी' में स्त्री जीवन के किस-किस पक्ष एवं समस्याओं को उठाया गया है इसका जिक्र इस अध्याय में किया गया है।

शोध के चौथे अध्याय 'मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा के कहानी संग्रह ‘अंतिम चढ़ाई’ एवं खुदा की वापसी का शिल्पगत अध्ययन' में मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा के कहानी संग्रह 'अंतिम चढ़ाई' एवं 'खुदा की वापसी' का भाषा एवं शिल्प की दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन किया

गया है। मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा के कहानी संग्रह 'अंतिम चढ़ाई' एवं 'खुदा की वापसी' की कहानियों के उद्धरण के माध्यम से इनके साहित्य में प्रयुक्त होने वाली भाषा एवं शिल्प पर प्रकाश डाला गया है।

प्रस्तुत शोध मेहरुन्निसा परवेज़ एवं नासिरा शर्मा की कहानियों में स्त्री जीवन: विशेष संदर्भ कहानी संग्रह ‘अंतिम चढ़ाई’ एवं ‘खुदा की वापसी’ विषय पर है। इस शोध में तुलनात्मक शोध प्रविधि का प्रयोग किया है।